

स्वतंत्रता दिवस समारोह की विस्तृत रिपोर्ट

मेजर एस. डी. सिंह विश्वविद्यालय

कार्यक्रम: 80वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह

दिनांक: 15 अगस्त 2026

स्थान: विश्वविद्यालय परिसर, कृष्णा वाटिका के निकट स्थित मैदान

आयोजक: मेजर एस. डी. सिंह विश्वविद्यालय

सहभागी इकाई: राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS)

1. प्रस्तावना

भारत के राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मेजर एस. डी. सिंह विश्वविद्यालय में 15 अगस्त 2026 को 80वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह अत्यंत हर्षोल्लास, गरिमा एवं देशभक्ति की भावना के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में कृष्णा वाटिका के निकट स्थित मैदान में किया गया।

समारोह में विश्वविद्यालय के संस्थापक, कुलाधिपति, चेयरपर्सन, कुलपति, सलाहकार, शिक्षकगण, कर्मचारीगण, NSS समन्वयक, NSS स्वयंसेवक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। पूरे परिसर में राष्ट्रीय ध्वज एवं देशभक्ति की भावना का वातावरण दिखाई दिया।

2. कार्यक्रम के उद्देश्य

स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित करने के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित थे—

- छात्र-छात्राओं में राष्ट्रप्रेम एवं देशभक्ति की भावना विकसित करना।
- स्वतंत्रता संग्राम में अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों एवं शहीदों के त्याग और बलिदान को स्मरण करना।
- विद्यार्थियों को भारत के संवैधानिक मूल्यों, लोकतंत्र एवं राष्ट्रीय एकता के प्रति जागरूक करना।
- युवाओं में राष्ट्र निर्माण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना।
- विद्यार्थियों को देश की प्रगति में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करना।
- राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं भाईचारे की भावना को मजबूत करना।
- विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, सहयोग एवं सामूहिक कार्य करने की भावना को प्रोत्साहित करना।
- NSS के माध्यम से विद्यार्थियों में सेवा, समर्पण एवं समाज के प्रति उत्तरदायित्व की भावना को विकसित करना।
- विद्यार्थियों की रचनात्मक एवं सांस्कृतिक प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना।
- युवा पीढ़ी को नशामुक्त, स्वच्छ, स्वस्थ, शिक्षित एवं सशक्त भारत के निर्माण के लिए प्रेरित करना।
- विद्यार्थियों को स्वतंत्रता के वास्तविक अर्थ एवं कर्तव्य के साथ अधिकारों के संतुलन के प्रति जागरूक करना।

3. ध्वजारोहण समारोह

कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के संस्थापक श्रद्धेय श्री बाबू सिंह दहू जी द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराकर किया गया। राष्ट्रीय ध्वज के फहराते ही उपस्थित सभी लोगों में देशभक्ति एवं राष्ट्रीय गौरव की भावना का संचार हुआ।

इसके पश्चात सभी उपस्थित लोगों द्वारा राष्ट्रगान गाया गया। राष्ट्रगान के दौरान विद्यार्थियों, NSS स्वयंसेवकों, शिक्षकगण एवं विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने पूर्ण अनुशासन एवं सम्मान के साथ सहभागिता की।

4. गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति एवं संबोधन

समारोह में विश्वविद्यालय के कुलाधिपति (Chancellor), चेरस्पर्सन, कुलपति (Vice-Chancellor) एवं सलाहकार (Advisor) सहित विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारी एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।

गणमान्य अतिथियों ने अपने प्रेरणादायक संबोधनों में स्वतंत्रता दिवस के ऐतिहासिक महत्व, स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष एवं बलिदान तथा वर्तमान समय में युवाओं की जिम्मेदारियों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ चरित्र निर्माण, अनुशासन, सामाजिक सेवा, राष्ट्रप्रेम एवं मानवता के मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों से राष्ट्र की उन्नति एवं समाज के विकास में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया।

5. सांस्कृतिक कार्यक्रम

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा विविध सांस्कृतिक एवं देशभक्ति आधारित कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने—

- देशभक्ति गीत एवं गायन प्रस्तुत किया।
- आकर्षक नृत्य प्रस्तुतियाँ दीं।
- सामाजिक एवं राष्ट्रभक्ति विषयों पर नाटक/लघु नाटिका प्रस्तुत की।
- स्वतंत्रता दिवस एवं राष्ट्र निर्माण से संबंधित भाषण दिए।
- विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति एवं राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया।

छात्र-छात्राओं की प्रस्तुतियों ने उपस्थित सभी लोगों को प्रभावित किया तथा कार्यक्रम में उत्साह एवं देशभक्ति की भावना को और अधिक प्रबल किया।

6. NSS की सहभागिता

कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) की सक्रिय एवं महत्वपूर्ण सहभागिता रही। NSS के समन्वयकों—

- डॉ. पुष्पेंद्र सिंह
- डॉ. कुंदन कुमार मिश्रा
- डॉ. गीता सेंगर

की उपस्थिति एवं मार्गदर्शन में NSS स्वयंसेवकों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

NSS स्वयंसेवकों ने कार्यक्रम की व्यवस्थाओं, अनुशासन एवं विभिन्न गतिविधियों में सहयोग किया। स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी ने यह संदेश दिया कि विद्यार्थी केवल शैक्षणिक गतिविधियों तक सीमित न रहकर **सामाजिक सेवा एवं राष्ट्र निर्माण** में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

7. विद्यार्थियों की सहभागिता

विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने स्वतंत्रता दिवस समारोह में बढ़-चढ़कर भाग लिया। विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

उनकी सहभागिता से विद्यार्थियों में—

- आत्मविश्वास,
- नेतृत्व क्षमता,
- टीम भावना,
- अनुशासन,
- रचनात्मकता,
- राष्ट्रप्रेम एवं
- सामाजिक जिम्मेदारी

जैसे गुणों का विकास हुआ।

8. कार्यक्रम का सामाजिक एवं शैक्षणिक महत्व

स्वतंत्रता दिवस समारोह केवल एक राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाया जाने वाला कार्यक्रम नहीं था, बल्कि यह विद्यार्थियों को देश के इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम एवं वर्तमान राष्ट्रीय जिम्मेदारियों से जोड़ने का एक प्रभावी माध्यम रहा।

कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को यह संदेश दिया गया कि **स्वतंत्रता केवल अधिकारों का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का भी प्रतीक है।**

NSS की सहभागिता ने कार्यक्रम को सामाजिक सरोकारों से जोड़ा तथा विद्यार्थियों को सेवा एवं राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित किया।

9. कार्यक्रम के प्रमुख परिणाम

कार्यक्रम के उपरान्त विद्यार्थियों में राष्ट्रीय भावना एवं देश के प्रति जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा मिला। छात्रों ने स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करते हुए देश की एकता एवं अखंडता बनाए रखने का संकल्प लिया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिला, जबकि NSS स्वयंसेवकों ने सेवा एवं अनुशासन की भावना के साथ कार्यक्रम में योगदान दिया।

10. निष्कर्ष

मेजर एस. डी. सिंह विश्वविद्यालय में आयोजित **80वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह** अत्यंत गरिमापूर्ण, सफल एवं देशभक्ति की भावना से परिपूर्ण रहा। **संस्थापक श्रद्धेय श्री बाबू सिंह दहू जी** द्वारा ध्वजारोहण, विश्वविद्यालय के **कुलाधिपति, चेयरपर्सन, कुलपति एवं सलाहकार** के प्रेरणादायक संबोधन तथा छात्र-छात्राओं की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समारोह को विशेष रूप से यादगार बनाया।

NSS समन्वयकों डॉ. पुष्पेंद्र सिंह, डॉ. कुंदन कुमार मिश्रा एवं डॉ. गीता सेंगर के मार्गदर्शन एवं NSS स्वयंसेवकों की सक्रिय सहभागिता ने कार्यक्रम की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

समारोह ने विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता, अनुशासन, सामाजिक सेवा, कर्तव्यबोध एवं राष्ट्र निर्माण की भावना को मजबूत किया तथा उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में देश के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

NSS समन्वयक

डॉ. पुष्पेंद्र सिंह
राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS)
मेजर एस. डी. सिंह विश्वविद्यालय



89 वर्षीय ददू जी के हाथों हुआ स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम समारोह का शुभारंभ

● शिक्षा और संस्कारों की मिसाल बन रही मेजर एसडी सिंह यूनिवर्सिटी

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद

मेजर एसडी सिंह यूनिवर्सिटी में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वज एवं गरिमापूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह का शुभारंभ विश्वविद्यालय के प्रेणुसोत एवं 89 वर्षीय महान शिक्षाविद ददू जी ने किया। उम्र के इस पत्र पर भी शिक्षा और समाजसेवा के प्रति उनका समर्पण समारोह में मौजूद लोगों के लिए प्रेरणा का विषय रहा।

ददू जी ने जीवनभर शिक्षा को समाज के विकास का सबसे मजबूत आधार माना। उनकी दूरदृष्टि और शिक्षा के प्रति समर्पण से प्रेरित होकर उनके पुत्र एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अनार सिंह ने मेजर एसडी सिंह यूनिवर्सिटी की स्थापना की।



विश्वविद्यालय की स्थापना का उद्देश्य क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना और उन्हें आधुनिक शिक्षा के साथ संस्कार एवं सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ना रहा है।

समय के साथ विश्वविद्यालय निरंतर विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर शैक्षिक वातावरण और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रति कुलाधिपति डॉ. अनार सिंह लगातार प्रयासरत रहते हैं। विश्वविद्यालय में शिक्षा की गुणवत्ता के

साथ विद्यार्थियों की सुविधा, अनुशासन, खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों और व्यक्तित्व विकास पर भी विशेष ध्यान दिए जाने से संस्थान की अलग पहचान बन रही है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह में ध्वजारोहण, राष्ट्रगान, देशभक्ति गीतों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और विभिन्न कार्यक्रमों ने महिला को देशभक्ति से सरोवर कर दिया। विद्यार्थियों ने उत्साह और उमंग के साथ प्रतिभाग किया। परिसर में तिरंगे की गान और देशभक्ति के नारों के बीच स्वतंत्रता दिवस का उत्सव पूरे उत्साह के साथ

माना गया।

कार्यक्रम में सीएमओ सहित स्वास्थ्य एवं प्रशासनिक विभाग के कई अधिकारी भी पहुंचे। अतिथियों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि देश की आजादी का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक होगा, जब युवा शिक्षा, अनुशासन और राष्ट्रसेवा को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। समारोह में विश्वविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी, कर्मचारी एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे। 89 वर्षीय ददू जी के लक्ष्य कार्यक्रम का शुभारंभ जहां विश्वविद्यालय की शिक्षा परंपरा और मूल्यों का प्रतीक बना, वहीं कुलाधिपति डॉ. अनार सिंह की दूरदृष्टि और प्रति कुलाधिपति डॉ. अनार सिंह के निरंतर प्रयासों ने संस्थान को शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों की ओर ले जाने का संकल्प भी दिव्य हो रहा।

समारोह का समर्थन राष्ट्रीय, शिक्षा और समाज के प्रति जिम्मेदारी का संदेश देते हुए हुआ। उर्वरक्षेत्र लोगों ने विश्वविद्यालय परिवार को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं और संस्थान के निरंतर विकास की कामना की।

देशभक्ति के रंग में रंगा मेजर एसडी सिंह विश्वविद्यालय

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। मेजर एसडी सिंह विश्वविद्यालय में 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शिक्षाविद डॉ. बाबू सिंह यादव ददू जी, एवं कुलाधिपति डॉ. अनार सिंह ने ध्वजारोहण किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. आनंद कुमार उपाध्याय एवं उनकी पत्नी डॉ. उषा उपाध्याय उपस्थित रहीं।

समारोह में विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत नाटक, गीत, नृत्य एवं रोल प्ले प्रस्तुत किए। उत्कृष्ट प्रस्तुतियों के लिए विद्यार्थियों को अंत में पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर 'रोग निदान एवं विकृति विज्ञान' पुस्तक का विमोचन भी किया गया। पुस्तक को इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद के डॉ. मोहित कुमार बघेल, डॉ. मानस रंजन देवता एवं डॉ. सुनील कुमार राजपूत ने लिखा है।

मुख्य अतिथि सीएमओ डॉ.



पुस्तक का विमोचन करते मुख्य अतिथि सीएमओ डॉ. आनंद उपाध्याय, उनकी पत्नी डॉ. उषा उपाध्याय, कुलाधिपति डॉ. अनार सिंह व चेयरपर्सन डॉ. अनीता यादव आदि।

आनंद कुमार उपाध्याय ने कहा कि स्वतंत्रता केवल अधिकार नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी का भी संदेश देती है। कुलाधिपति डॉ. अनार सिंह ने कहा कि देश की वास्तविक शक्ति उसके युवा और शिक्षित नागरिक हैं। चेयरपर्सन डॉ. अनीता यादव ने विद्यार्थियों से शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी को अपनाने का आह्वान किया। कुलाधिपति डॉ. अनिल कुमार, वित्त अधिकारी डॉ. अमर सिंह, निदेशक प्रशासन वीपी कौशल एवं सलाहकार डॉ.

रंगनाथ मिश्रा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन विधि संकाय के डीन डॉ. राजपाल सिंह ने किया। इस दौरान उप कुलसचिव मानवेंद्र सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ. अरुण शुक्ला, सहायक कुलसचिव संजय कुमार, डीन आयुर्वेद डॉ. अनीता यादव ने विद्यार्थियों से शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी को अपनाने का आह्वान किया। कुलाधिपति डॉ. अनिल कुमार, वित्त अधिकारी डॉ. अमर सिंह, निदेशक प्रशासन वीपी कौशल एवं सलाहकार डॉ. शिक्षक मौजूद रहे।



स्वतंत्रता दिवस पर छात्रा को 5100 रुपये की चेक देकर पुरस्कृत करते कुलाधिपति डॉ० अनार सिंह यादव व चेयरपर्सन डॉ० अनीता यादव।

देश भक्ति के रंग में रंगा मेजर एस.डी.सिंह यूनीवर्सिटी

फर्रुखाबाद : मेजर एसडी सिंह विश्वविद्यालय में 80वें स्वतंत्रता दिवस पर शिक्षाविद डॉ० बाबू सिंह यादव ददू जी एवं कुलाधिपति डॉ० अनार सिंह ने ध्वजारोहण किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. आनंद कुमार उपाध्याय एवं उनकी पत्नी डॉ. उषा उपाध्याय उपस्थित रहीं। समारोह में विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत नाटक, गीत, नृत्य एवं रोल प्ले प्रस्तुत किए। इस अवसर पर 'रोग निदान एवं विकृति विज्ञान' पुस्तक का विमोचन भी किया गया, जिसे इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद के डॉ. मोहित कुमार बघेल, डॉ. मानस रंजन देवता एवं डॉ. सुनील कुमार राजपूत ने लिखा है। सीएमओ डॉ.

आनंद कुमार उपाध्याय ने कहा कि स्वतंत्रता केवल अधिकार नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी का भी संदेश देती है। कुलाधिपति डॉ. अनार सिंह ने कहा कि देश की वास्तविक शक्ति उसके युवा और शिक्षित नागरिक हैं। चेयरपर्सन डॉ. अनीता यादव, कुलपति डॉ. अनिल कुमार, वित्त अधिकारी डॉ. अमर सिंह, वीपी कौशल एवं डॉ. रंगनाथ मिश्रा ने भी संबोधित किया। संचालन विधि संकाय के डीन डॉ. राजपाल सिंह ने किया। मानवेंद्र सिंह, डॉ. अरुण शुक्ला, संजय कुमार, डॉ. एके बाथम, डॉ. बिंदु राठौर, डॉ. निखिल श्रीवास्तव, डॉ. ललित यादव, डॉ. बीके सिंह, अनुपमा शाक्य, रचना यादव, एनएसएस समन्वयक डॉ. पुष्पेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।